ग्राही (Receptor): तंत्रिका कोशिकाओं के विशिष्ट सिरे जो पर्यावरण से सभी सूचनाओं का पता लगाते हैं ग्राही कहलाते हैं |

ग्राहियों के प्रकार (Types of Receptors):

ग्राही निम्न प्रकार के होते हैं :

(i) प्रकाश ग्राही (Photo receptor) ----> दृष्टि के लिए (आँख)

(ii) श्रावण ग्राही (Phono receptor) ----> सुनने के लिए (कान)

(iii) रस संवेदी ग्राही (Gustatory receptor) ---> स्वाद के लिए (जीभ)

(iv) घ्राण ग्राही (Olfactory receptor) ---> सूंघने के लिए (नाक)

(v) स्पर्श ग्राही (Thermo receptor) ---> ऊष्मा को महसूस करने के लिए (त्वचा)

ये सभी ग्राही हमारे ज्ञानेन्द्रियों (Sense organs) में स्थित होते हैं |

तंत्रिका ऊतक (Norvous Tissues) : तंत्रिका उत्तक तंत्रिका कोशिकाओं या न्यूरॉन के इक संगठित जाल का बना हुआ होता है और यह सूचनाओं के विद्युत आवेग के द्वारा शरीर के एक भाग से दूसरे भाग तक ले जाता है ।

तंत्रिका कोशिका (न्यूरॉन) : यह तंत्रिका तंत्र की संरचनात्मक एवं क्रियात्मक इकाई है ।

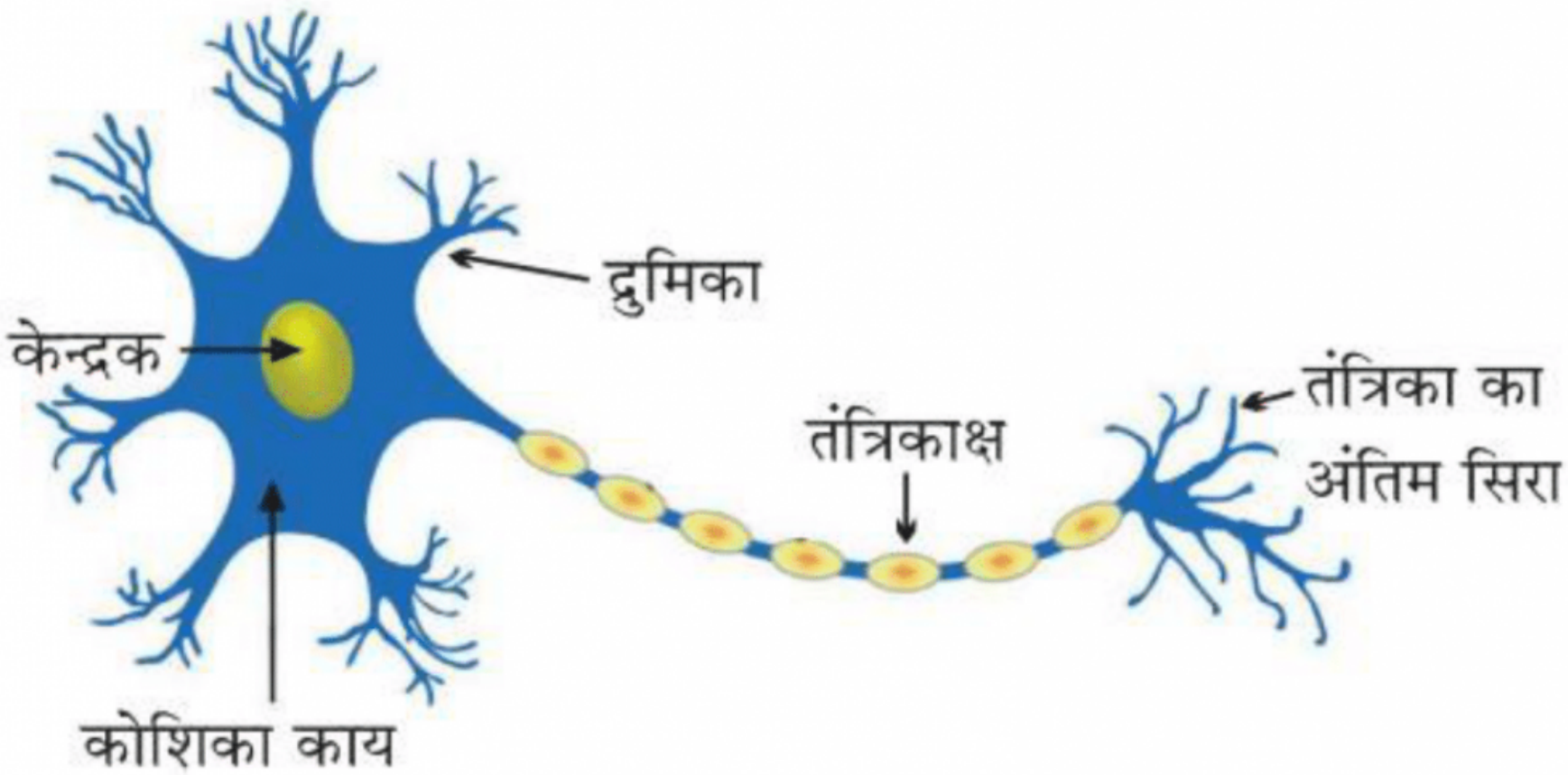

तंत्रिका कोशिका के भाग (The parts of norvous cells) :

(i) द्रुमिका (Dendrite) : जहाँ सूचनाएँ उपार्जित की जाती है |

(ii) द्रुमिका से कोशिकाय तक (From Dendrite to Cytoplasm) : जिससे होकर सूचनाएँ विद्युत आवेग की तरह यात्रा करती हैं |

(iii) एक्सॉन (Axon): जहाँ इस आवेग का परिवर्तन रासायनिक संकेत में किया जाता है जिससे यह आगे संचारित हो सके |